CBSE Class 12 हिंदी कोर

Sample Paper 05 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब। खंड-अ में वस्तुपरक तथा खंड-ब में वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।

ii. खंड-अ में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

iii. खंड-ब में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. तत्ववेत्ता शिक्षाविदों के अनुसार विद्या दो प्रकार की होती है। प्रथम वह, जो हमें जीवन-यापन के लिए अर्जन करना सिखाती है और द्रवितीय वह, जो हमें जीना सिखाती है। इनमें से एक का भी अभाव जीवन को निरर्थक बना देता है। बिना कमाए जीवन-निर्वाह संभव नहीं। कोई भी नहीं चाहेगा कि वह परावलंबी हो-माता-पिता, परिवार के किसी सदस्य, जाति या समाज पर। पहली विद्या से विहीन व्यक्ति का जीवन दूभर हो जाता है, वह दूसरों के लिए भार बन जाता है। साथ ही विद्या के बिना सार्थक जीवन नहीं जिया जा सकता। बहुत अर्जित कर लेनेवाले व्यक्ति का जीवन यदि सुचारु रूप से नहीं चल रहा, उसमें यदि वह जीवन-शक्ति नहीं है, जो उसके अपने जीवन को तो सत्यपथ पर अग्रसर करती ही है, साथ ही वह अपने समाज, जाति एवं राष्ट्र के लिए भी मार्गदर्शन करती है, तो उसका जीवन भी मानव-जीवन का अभिधान नहीं पा सकता। वह भारवाही गर्दभ बन जाता है या पूँछ-सींगविहीन पशु कहा जाता है।

   वर्तमान भारत में दूसरी विद्या का प्राय: अभावे दिखाई देता है, परंतु पहली विद्या का रूप भी विकृत ही है, क्योंकि न तो स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करके निकला छात्र जीविकार्जन के योग्य बन पाता है और न ही वह उन संस्कारों से युक्त हो पाता है, जिनसे व्यक्ति 'कु' से 'सु' बनता है; सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत कहलाने का अधिकारी होता है। वर्तमान शिक्षा-पद्धति के अंतर्गत हम जो विद्या प्राप्त कर रहे हैं, उसकी विशेषताओं को सर्वथा नकारा भी नहीं जा सकता। यह शिक्षा कुछ सीमा तक हमारे दृष्टिकोण को विकसित भी करती है, हमारी मनीषा को प्रबुद्ध बनाती है तथा भावनाओं को चेतन करती है, किंतु कला, शिल्प, प्रौद्योगिकी आदि की शिक्षा नाममात्र की होने के फलस्वरूप इस देश के स्नातक के लिए जीविकार्जन टेढ़ी खीर बन जाता है और बृहस्पति बना युवक नौकरी की तलाश में अर्जियाँ लिखने में ही अपने जीवन का

बहुमूल्य समय बर्बाद कर लेता है।

जीवन के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए यदि शिक्षा के क्रमिक सोपानों पर विचार किया जाए, तो भारतीय विद्यार्थी को सर्वप्रथम इस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए, जो आवश्यक हो, दूसरी जो उपयोगी हो और तीसरी जो हमारे जीवन को परिष्कृत एवं अलंकृत करती हो। ये तीनों सीढ़ियाँ एक के बाद एक आती हैं, इनमें व्यतिक्रम नहीं होना चाहिए। इस क्रम में व्याघात आ जाने से मानव-जीवन का चारु प्रासाद खड़ा करना असंभव है। यह तो भवन की छत बनाकर नींव बनाने के सदृश है। वर्तमान भारत में शिक्षा की अवस्था देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्राचीन भारतीय दार्शनिकों ने 'अन्न' से 'आनंद' की ओर बढ़ने को जो 'विद्या का सार' कहा था, वह सर्वथा समीचीन ही था।

क) बिना कमाए क्या संभव नहीं है ?

1. जीवन निर्वाह
2. विद्या अर्जन
3. विद्याहीन
4. सार्थक

ख) विद्या के कितने रूप बताये गए हैं ?

1. एक
2. दो
3. तीन
4. चार

ग) आधुनिक शिक्षा पद्धति की विशेषता है -

1. जीविकोपार्जन करना
2. धनार्जन करना
3. स्वतंत्र रहना
4. भावनाओं को चेतन करना

घ) विद्याहीन व्यक्ति का जीवन कैसा होता है ?

1. परावलम्बी
2. स्वाबलम्बी
3. आत्मनिर्भर
4. स्वनिर्भर

ड) विद्याहीन मनुष्य का जीवन कैसा होता है ?

1. आत्मनिर्भर
2. भार स्वरूप
3. हल्का
4. साथक

च) विद्या हमें किस पथ पर अग्रसर करती है ?

1. सत्पथ पर
2. हिंसा पथ पर
3. समाज की ओर
4. राष्ट्र की ओर

छ) मनुष्य मानव जीवन का अभिधान कब नहीं पा सकता ?

1. जब वह विद्यावान होता है |
2. जब वह विद्याहीन होता है |
3. जब वह जीवन यापन करता है |
4. जब वह जीविका निर्वाह करता है |

ज) 'परावलम्बी' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है -

1. परा
2. पर
3. लम्बी
4. पराव

झ) आधुनिक शिक्षित युवक का अधिकांश समय कैसे व्यतीत होता है ?

1. नौकरी की तलाश में
2. पढाई करते हुए
3. शिक्षा अर्जन हुए
4. जीविका निर्वाह करते हुए

ञ) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा -

1. शिक्षा के सोपान
2. शिक्षा का आधार

3. शिक्षा के नियम
4. शिक्षा का प्रचार

OR

राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है जो हमें अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती है। जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं-हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है। राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना राष्ट्रीयता कहलाती है।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है। राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है-देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े। महात्मा गांधी, तिलक, सुभाषचन्द्र बोस आदि के कार्यों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे। व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए तभी उसकी नीतियाँ-रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं।

जब-जब भारत में फूट पड़ी, तब-तब विदेशियों ने शासन किया। चाहे जातिगत भेदभाव हो या भाषागत-तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा। आज देश में अनेक प्रकार के आंदोलन चल रहे हैं। कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा है तो कहीं धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है जिसका परिणाम हमारे सामने है। आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है। फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का अभाव परिलक्षित हो रहा है।

क) हमारी सांस्कृतिक विरासत क्या होती है ?

1. राष्ट्र
2. समाज
3. नागरिक
4. जनता

ख) व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी क्या होती है ?

1. व्यक्ति की स्वतन्त्रता
2. व्यक्ति की पराधीनता
3. व्यक्ति की जागरूकता
4. व्यक्ति की निराशा

ग) राष्ट्रीयता क्या है ?

1. राष्ट्र के विकास और उसकी स्वतंत्रता के लिए काम करना
2. राष्ट्र के पतन और उसकी स्वतंत्रता के लिए काम करना
3. राष्ट्र के विकास और उसकी परतंत्रता के लिए काम करना
4. राष्ट्र की परतंत्रता के लिए काम करना

घ) व्यक्ति की दृष्टि कब संकुचित हो जाती है ?

1. जब वह दूसरे से धर्म - जाति के आधार पर व्यवहार करता है |
2. जब वह स्वयं से धर्म - जाति के आधार पर व्यवहार करता है |
3. जब वह दूसरे से धर्म - जाति के आधार पर व्यवहार नहीं करता है |
4. जब वह स्वयं से धर्म - जाति के आधार पर व्यवहार नहीं करता है |

ङ) राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त क्या है?

1. समाज को प्राथमिकता
2. नागरिकों को प्राथमिकता
3. शहर को प्राथमिकता
4. देश को प्राथमिकता

च) आदमी किसमें सिमटता जा रहा है ?

1. अहं में
2. परत्व में
3. दूसरे में
4. परिवार में

छ) अच्छा नागरिक बनने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

1. परत्व को मिटाना होगा
2. स्वत्व को मिटाना होगा
3. दूसरों को मिटाना होगा
4. शत्रु को मिटाना होगा

ज) देश भर में भाषा, धर्म या क्षेत्र के नाम पर चल रहे आन्दोलन में किसका अभाव दिखाई दे रहा है ?

1. स्वत्व का
2. परोपकार का
3. निजता का

4. राष्ट्रीयता का

झ) परस्पर विरोधी तत्व कौनसे हैं ?

1. केवल व्यक्तिगत स्वार्थ
2. केवल राष्ट्रीय भावना
3. व्यक्तिगत स्वार्थ व राष्ट्रीय भावना
4. केवल परहित

ञ) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक हो सकता है -

1. राष्ट्र और राष्ट्रीयता
2. राष्ट्र
3. राष्ट्रीयता
4. राष्ट्रभाव

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए।**

वह तोड़ती पत्थर;
देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर-
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:-
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।
चढ़ रही थी धूप;
गर्मियों के दिन,
दिवा का तमतमाता रूप;
उठी झुलसाती हुई लू
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगीं छा गई,
प्रायः हुई दुपहर :-
वह तोड़ती पत्थर।

देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।
एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा-
"मैं तोड़ती पत्थर।"

I. 'ढुलक माथे से गिरे सीकर' - पंक्ति में 'सीकर' शब्द का अर्थ है -
   i. पसीना
   ii. बूँद
   iii. रक्त
   iv. पत्थर

II. काव्यांश में दोपहर का वातावरण कैसा बताया गया है?
   i. हलकी हवा से युक्त
   ii. आकाश में मेघों से युक्त
   iii. गर्म लू से युक्त
   iv. कम धूप से युक्त

III. 'नत नयन, प्रिय कर्म रत मन' से अभिप्राय है -
   i. झुके हुए सुंदर नयन, कर्म साधना में लीन
   ii. सुंदर नयन होने के कारण झुककर काम करना
   iii. नयन के झुकने के कारण काम करना
   iv. उसका कामचोर होना

IV. भूमि किसके समान जल रही थी?
   i. रुई के समान
   ii. तवे के समान
   iii. अँगीठी के समान
   iv. रह रह कर जल रही थी

V. 'दोपहर' शब्द में कौनसा समास है -
   i. कर्मधारय समास

ii. बहुव्रीहि समास

iii. अव्ययीभाव समास

iv. द्विगु समास

OR

निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

राँपी से उठी हुई आँखों ने मुझे
क्षण-भर टटोला
और फिर
जैसे पतियाये हुये स्वर में
वह हँसते हुये बोला-
बाबूजी सच कहूँ-मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिये,हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने
मरम्मत के लिये खड़ा है।

और असल बात तो यह है
कि वह चाहे जो है
जैसा है,जहाँ कहीं है
आजकल
कोई आदमी जूते की नाप से
बाहर नहीं है
फिर भी मुझे ख्याल है रहता है
कि पेशेवर हाथों और फटे जूतों के बीच
कहीं न कहीं एक आदमी है
जिस पर टाँके पड़ते हैं,
जो जूते से झाँकती हुई अँगुली की चोट छाती पर
हथौड़े की तरह सहता है।

यहाँ तरह-तरह के जूते आते हैं
और आदमी की अलग-अलग 'नवैयत'

बतलाते हैं
सबकी अपनी-अपनी शक्ल है
अपनी-अपनी शैली है
मसलन एक जूता है:
जूता क्या है-चकतियों की थैली है
इसे एक आदमी पहनता है
जिसे चेचक ने चुग लिया है
उस पर उम्मीद को तरह देती हुई हँसी है
जैसे 'टेलीफ़ून ' के खम्भे पर
कोई पतंग फँसी है
और खड़खड़ा रही है।

'बाबूजी! इस पर पैसा क्यों फूँकते हो?'
मैं कहना चाहता हूँ
मगर मेरी आवाज़ लड़खड़ा रही है
मैं महसूस करता हूँ-भीतर से
एक आवाज़ आती है-'कैसे आदमी हो
अपनी जाति पर थूकते हो।'
आप यकीन करें,उस समय
मैं चकतियों की जगह आँखें टाँकता हूँ
और पेशे में पड़े हुये आदमी को
बड़ी मुश्किल से निबाहता हूँ।

एक जूता और है जिससे पैर को
'नाँघकर' एक आदमी निकलता है
सैर को
न वह अक्लमन्द है
न वक्त का पाबन्द है
उसकी आँखों में लालच है
हाथों में घड़ी है
उसे जाना कहीं नहीं है
मगर चेहरे पर
बड़ी हड़बड़ी है
वह कोई बनिया है

या बिसाती है
मगर रोब ऐसा कि हिटलर का नाती है
'इशे बाँद्धो,उशे काट्टो,हियाँ ठोक्को,वहाँ पीट्टो
घिस्सा दो,अइशा चमकाओ,जूत्ते को ऐना बनाओ
...ओफ्फ़! बड़ी गर्मी है'
रुमाल से हवा करता है,
मौसम के नाम पर बिसूरता है
सड़क पर 'आतियों-जातियों' को
बानर की तरह घूरता है
गरज़ यह कि घण्टे भर खटवाता है
मगर नामा देते वक्त
साफ 'नट' जाता है
शरीफों को लूटते हो' वह गुर्राता है
और कुछ सिक्के फेंककर
आगे बढ़ जाता है
अचानक चिंहुककर सड़क से उछलता है
और पटरी पर चढ़ जाता है
चोट जब पेशे पर पड़ती है
तो कहीं-न-कहीं एक चोर कील
दबी रह जाती है
जो मौका पाकर उभरती है
और अँगुली में गड़ती है।

01. प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसके माध्यम से अपनी बात कही है ?

(क) भाषा
(ख) खुद से
(ग) जूता
(घ) मोची

02. काव्यांश के अनुसार अदद आदमी कौन है ?

(क) एक महत्वपूर्ण आदमी
(ख) उच्च वर्ग का
(ग) मध्य वर्ग का
(घ) बड़ा आदमी

03. तो कहीं-न-कहीं एक चोर कील पंक्ति में चोर कील से क्या तात्पर्य है ?

(क) जूते में चुभी हुई कील

(ख) प्रतिरोध का स्वर

(ग) संघर्ष का स्वर

(घ) बदले की भावना

04. नवैयत शब्द का क्या अर्थ होता है ?

(क) स्थिति

(ख) नियत

(ग) चरित्र

(घ) विचार

05. मगर रोब ऐसा कि हिटलर का नाती है पंक्ति के माध्यम से कवि का आशय किससे है ?

(क) आम जनता

(ख) सर्वहारा वर्ग

(ग) पूंजीपति वर्ग

(घ) तानाशाही वर्ग चरित्र

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

a. जब व्यक्तियों के समूह के साथ संवाद किसी तकनीकी या यांत्रिकी माध्यम के जरिए समाज के एक विशाल वर्ग से किया जाता है तो इसे _____ कहते हैं।

a. विशेष संचार

b. जनसंचार

c. गुप्त संचार

d. समूह संचार

b. जनसंचार का दृश्य एवं श्रव्य माध्यम का उचित उदाहरण है-

a. रेडियो और टेलीविजन दोनों

b. रेडियो

c. टेलीविजन

d. अखबार

c. समीक्षक के गुण नहीं हैं?

a. समसामयिकी का ज्ञाता

b. धारदार भाषा

c. गीतकारी

d. विशेषज्ञ

d. किसी भी विषय में निरंतर दिलचस्पी और सक्रियता आपको क्या बना सकती है?

a. विषय विशेषज्ञ

b. लेखक

c. स्तम्भ लेखक

d. पाठक

e. किस प्रकार की पत्रकारिता का तरीका सबसे अलग है?

a. अखबार पत्रकारिता

b. इंटरनेट पत्रकारिता

c. टेलीविजन पत्रकारिता

d. रेडियो पत्रकारिता

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है छटा गगन की हलकी-हलकी
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी।

I. **छायी है छटा गगन की हलकी-हलकी** पंक्ति में कौन अलंकार है?

i. उपमा अलंकार

ii. पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

iii. अतिशयोक्ति अलंकार

iv. रुपक अलंकार

II. काव्यांश के भाषा पर प्रकाश डालिए।

i. गतिशील नहीं है

ii. प्रभावहीन

iii. सरल और सहज

iv. कठिन

III. राखी की तुलना किससे की गई है?

i. बिजली की चमक से

ii. अटूट स्नेह से

iii. बादलों के गर्जन से

iv. चाँद की कोमलता से

IV. कवि ने भाई बहन के संबंध को किसके जैसा बताया है?

i. धरती और आकाश जैसा

ii. जल और नदी के जैसा

iii. चाँद और सूरज जैसा

iv. घटा और बिजली के जैसा

V. प्रस्तुत पंक्तियों के कवि कौन हैं?

i. रघुवीर सहाय

ii. निदा फाज़ली

iii. शमशेर

iv. फ़िराक़ गोरखपुरी

5. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

प्लेटफॉर्म पर उसके बहुत-से दोस्त, भाई रिश्तेदार थे, हसरत भरी नज़रों, बहते हुए आँसुओ, ठंडी साँसों और भिचे हुए होंठों को बीच मे से काटती हुई रेल सरहद की तरफ़ बढ़ी। अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिदुस्तानी पुलिस सवार हुई। कुछ समझ मे नहीं आता था कि कहाँ से लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया। एक ज़मीन थी, एक ज़बान थी, एक-सी सूरते और लिबास, एक-सा लबोलहजा, और अंदाज थे, गलियाँ भी एक ही-सी थी, जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक-दूसरे को नवाज़ रहे थे। बस मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी बंदूकें दोनों के हाथों मे थी।

I. क्यों पता नहीं लगता कि कहाँ लाहौर खत्म हुआ और कहाँ अमृतसर शुरू हुआ?

i. लाहौर और अमृतसर की एकरूपता

ii. दोनों जगह रिशतेदारों का होना

iii. आपसी प्रेम

iv. सुरक्षा व्यवस्था के कारण

II. प्लेटफॉर्म पर खड़े लोगों की दशा कैसी थी?

i. बिछुड़ने की वेदना से युक्त

ii. दुखी

iii. निराश

iv. परेशान

III. पाकिस्तान और हिंदुस्तान की पुलिस कहाँ बदली?

i. अटारी

ii. पाकिस्तान

iii. भारत

iv. सरहद

IV. भारत पाकिस्तान के बीच कैसे संबंध थे?

i. शत्रुता का

ii. वैमनस्य

iii. भेदभाव का

iv. शत्रुता और वैमनस्य का

V. उपर्युक्त गदयांश में प्रयुक्त भाषा लिखिए?

i. हिन्दी

ii. उर्दू

iii. हिन्दी उर्दू मिश्रित

iv. पंजाबी

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. **सिल्वर वेडिंग** पाठ के आधार पर यशोधर बाबू के कितने बच्चे थे?

a. तीन

b. दो

c. एक

d. चार

b. **सिल्वर वेडिंग** पाठ के अनुसार विलायती परंपरा क्या है?

a. सब्जी खरीदना

b. केक काटना

c. मंदिर जाना

d. नौकरी करना

c. **अनेक मराठी कवियों के काव्य-संग्रह उनके घर में थे।** यह कथन किसका है? **[जूझ]**

a. मास्टर सौंदलगेकर

b. दत्ता जी राव

c. लेखक

d. वसंत पाटील

d. **जूझ** पाठ में किसके आगे लेखक के पिता का कोई वश नहीं चलता था?

a. मंत्री

b. रणनवरे

c. सौंदलगेकर

d. दत्ता राव

e. **अतीत में दबे पाँव** पाठ के अनुसार किसने मुअनजो-दड़ो पर एक विशद प्रबंध छपवाया था?

a. दीक्षित

b. जॉन मार्शल

c. वीलर

d. लेखक

f. **अतीत में दबे पाँव** पाठ के अनुसार मोहनजोदड़ो शहर के मुख्य सड़क की चौड़ाई कितनी है?

a. तैंतीस मील

b. दस फुट

c. चालीस फुट

d. तैंतीस फुट

g. **अतीत में दबे पाँव** पाठ के अनुसार काशीनाथ दीक्षित को किस धातु की सुइयाँ मिली थी?

a. पीतल

b. चाँदी

c. लोहा

d. सोना

h. **डायरी के पन्ने** पाठ के अनुसार लेखिका के परिवार के छुपने की जगह कौन सी थी?

a. होटल

b. शिविर

c. अस्पताल

d. ऑफिस

i. ऐनी फ्रैंक को कब गिरफ्तार किया गया था?

a. 1944

b. 1952

c. 1943

d. 1933

j. **डायरी के पन्ने** पाठ में लेखिका के पिता को कहाँ से बुलावा आया था?

a. अस्पताल

b. पुलिस चौकी

c. मिस्टर वान दान

d. ए० एस० एस०

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

   a. **महानगरों में आवास-समस्या** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

   b. **तनाव : आधुनिक जीवन-शैली की देन** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

   c. **आतंकवाद के बढ़ते चरण** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

8. आपके विद्यालय में फर्नीचर की आपूर्ति के लिए काष्ठागार आमेर सरणि, जयपुर को आदेश दिया गया था, किंतु उन्होंने संविदा में उल्लिखित समझौते के अनुसार आपूर्ति नहीं की। संस्था के प्रबंधक को पत्र लिखकर उल्लंघनों का बिंदुवार उल्लेख करते हुए प्राचार्य की ओर से शिकायती पत्र लिखिए।

   OR

   दिल्ली में हुए बम धमाकों के एक चश्मदीद नाबालिग गवाह का फोटो और उसका इंटरव्यू कुछ समाचार चैनलों द्वारा दिखाया जाना बच्चे की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। इस संबंध में अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए?

      OR

      कविता के किन प्रमुख घटको का ध्यान रखना चाहिए?

   b. कहानी लेखन में कथानक के पत्रों का संबंध स्पष्ट कीजिए।

      OR

      कहानी के तत्वों की पुष्टि करे।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. विशेष लेखन के पाठकों की विशेषता लिखिए?

      OR

      संपादकीय टीम का क्या काम होता है ?

   b. अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं?

      OR

समाचार के छः 'ककार' कौन-कौन से हैं?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

    a. नीचे दिए गए खबर के अंश को पढ़िए और बिहार के इस **बुधिया** से एक काल्पनिक साक्षात्कार कीजिए-
    उम्र पाँच साल, संपूर्ण रूप से विकलांग और दौड़ गया पाँच किलोमीटर। सुनने में थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन यह कारनामा कर दिखाया है पवन ने। बिहारी बुधिया के नाम से प्रसिद्ध पवन जन्म से ही विकलांग है। इसके दोनों हाथ का पुलवा नहीं है, जबकि पैर में सिर्फ़ एड़ी ही है।
    पवन ने रविवार को पटना के कारगिल चैक से सुबह 8.40 पर दौड़ना शुरू किया। डाकबंगला रोड, तारामंडल और आर ब्लाक होते हुए पवन का सफ़र एक घंटे बाद शहीद स्मारक पर जाकर खत्म हुआ। पवन द्वारा तय की गई इस दूरी के दौरान 'उम्मीद स्कूल' के तकरीबन तीन सौ बच्चे साथ दौड़ कर उसका हौसला बढ़ा रहे थे। सड़क किनारे खड़े दर्शक यह देखकर हतप्रभ थे कि किस तरह एक विकलांग बच्चा जोश एवं उत्साह के साथ दौड़ता चला जा रहा है। जहानाबाद ज़िले का रहने वाला पवन नवरसना एकेडमी, बेउर में कक्षा एक का छात्र है। असल में पवन का सपना उड़ीसा के बुधिया जैसा करतब दिखाने का है। कुछ माह पूर्व बुधिया 65 किलोमीटर दौड़ चुका है। लेकिन बुधिया पूरी तरह से स्वस्थ है जबकि पवन पूरी तरह से विकलांग। पवन का सपना कश्मीर से कन्याकुमारी तक की दूरी पैदल तय करने का है।
    -9 अक्तूबर, 2006 हिंदुस्तान से साभार

    b. कविता के किन उपमानों को देखकर कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है?

    c. कवितावली में उद्दृत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

    a. **प्रेरणा** शब्द पर सोचिए और उसके महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए जीवन के वे प्रसंग याद कीजिए जब माता-पिता, दीदी-भैया, शिक्षक या कोई महापुरुष/महानारी आपके अँधेरे क्षणों में प्रकाश भर गए।

    b. खुद का परदा खोलने से क्या आशय है?

    c. पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है - तुलसी का यह काव्य-सत्य क्या इस समय का भी युग-सत्य है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए। (कवितावली)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

    a. भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा?

    b. **काले मेघा पानी दे** में लेखक ने लोक मान्यताओं के पीछे छिपे किस तर्क को उभारा है, आप भी अपने जीवन के

अनुभव से किसी अंधविश्वास के पीछे छिपे तर्क को स्पष्ट कीजिए।

c. जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है? क्या यह स्थिति आज भी है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. किस तरह का बाज़ार आदमी को ज्यादा आकर्षित करता है?

b. लुट्टन को गाँव वापस क्यों लौटना पड़ा?

c. लाहौर और अमृतसर के कस्टम अधिकारियों ने सफ़िया के साथ कैसा व्यवहार किया?

12 Hindi Core SP-05

Class 12 - हिंदी कोर

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. क) 1 जीवन निर्वाह

   ख) 2 दो

   ग) 4 भावनाओं को चेतन करना

   घ) 1 परावलम्बी

   ड) 2 भार स्वरूप

   च) 1 सत्पथ पर

   छ) 1 जब वह विद्यावान होता है

   ज) 1 पर

   झ) 1 नौकरी की तलाश में

   ञ) 1 शिक्षा के सोपान

   OR

   क) 1 राष्ट्र |

   ख) 2 व्यक्ति की पराधीनता |

   ग) 1 राष्ट्र के विकास और उसकी स्वतंत्रता के लिए काम करना |

   घ) 1 जब वह दूसरे से धर्म - जाति के आधार पर व्यव्हार करता है |

   ड) देश को प्राथमिकता |

   च) 1 अहं में |

छ) 2 स्वत्व को मिटाना होगा |

ज) 4 राष्ट्रीयता का |

झ) 3 व्यक्तिगत स्वार्थ व राष्ट्रीय भावना |

ञ) 1 राष्ट्र और राष्ट्रीयता |

2. I. (i) पसीना
   II. (iii) गर्म लू से युक्त
   III. (i) झुके हुए सुंदर नयन, कर्म साधना में लीन
   IV. (i) रुई के समान
   V. (iv) द्विगु समास

   OR

   01. (घ) मोची

   02. (ग) मध्य वर्ग का

   03. (ख) प्रतिरोध का स्वर

   04. (क) स्थिति

   05. (घ) तानाशाही वर्ग चरित्र

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

   a. (b) जनसंचार
      Explanation: जब व्यक्तियों के समूह के साथ संवाद किसी तकनीकी या यांत्रिकी माध्यम के जरिए समाज के एक विशाल वर्ग से किया जाता है तो इसे जनसंचार कहते हैं। इसमें एक संदेश को यांत्रिक माध्यम के जरिए बहुगुणित किया जाता है ताकि उसे अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके। रेडियो, अखबार, टीवी, सिनेमा, इंटरनेट आदि इसके माध्यम हैं।
   b. (c) टेलीविजन
      Explanation: टेलीविजन जनसंचार का दृश्य एवं श्रव्य माध्यम है। टेलीविजन में आवाज के साथ दृश्य को भी देखा जा सकता है।
   c. (c) गीतकारी
      Explanation: यह समीक्षक का गुण नहीं हैं

d. (a) विषय विशेषज्ञ

Explanation: निरंतर दिलचस्पी और सक्रियता विषय विशेषज्ञ बनने में सहायक होते है।

e. (b) इंटरनेट पत्रकारिता

Explanation: एक अलग माध्यम होने के कारण इंटरनेट पत्रकारिता का तरीका और सब से अलग है।

4. I. (ii) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

II. (iii) सरल और सहज

III. (i) बिजली की चमक से

IV. (iv) घटा और बिजली के जैसा

V. (iv) फ़िराक़ गोरखपुरी

5. I. (i) अमृतसर और लाहौर की एकरूपता

II. (i) बिछुड़ने की वेदना क वेदना से युक्त

III. (i) अटारी

IV. (iv) शत्रुता और वैमनस्य का

V. (iii) हिन्दी और उर्दू मिश्रित

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. (d) चार

Explanation: पाठ के अनुसार यशोधर बाबू के चार बच्चे थे। बड़ा बेटा किसी विज्ञापन कंपनी में काम करता था, एक बेटा आइ० ए० स० की तैयारी कर रहा था, एक बेटा डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा था और एक बेटी थी।

b. (b) केक काटना

Explanation: पाठ के अनुसार यशोधर बाबू को किसी अवसर पर केक काटना विलायती परंपरा का सूचक लगता है। उन्होंने अपनी शादी की सालगिरह पर केक काटने से मना किया, हालांकि वे अंदर से खुश थे कि उनके बेटे ने ऐसा किया। लेकिन अपनी खुशी वो जाहिर नहीं करते थे।

c. (c) लेखक

Explanation: उपरोक्त कथन जूझ पाठ के लेखक का है। इस कथन में वो अपने शिक्षक के विषय में कह रहा है।

d. (d) दत्ता राव

Explanation: पाठ के अनुसार लेखक के पिता गाँव के मुखिया दत्ता जी राव देसाई से डरते थे। उनके आगे लेखक के पिता का कोई वश नहीं चलता था।

e. (b) जॉन मार्शल

Explanation: पाठ के अनुसार जॉन मार्शल ने मुअनजो-दड़ो पर तीन खंडों में प्रबंध छपवाया था। इस प्रबंध में चित्रों के माध्यम से उस समय के पहिये वाले गाड़ियों के विषय में बताया गया था।

f. (d) तैंतीस फुट

Explanation: पाठ के अनुसार मोहनजोदड़ो की मुख्य सड़क जो पूरे शहर को जोड़ती है, उसकी चौड़ाई तैंतीस

फुट है।

g. (d) सोना

Explanation: पाठ के अनुसार काशीनाथ दीक्षित को खुदाई में 1-2 इंच के सोने की तीन सुइयाँ मिलीं थी। इन सुइयों के माध्यम से ये अनुमान लगाया गया कि इनसे कशीदेकारी की जाती होगी।

h. (d) ऑफिस

Explanation: पाठ के अनुसार लेखिका का परिवार उसके पिता के ऑफिस के इमारत में छुपा हुआ था, ताकि उन्हें यातना शिविर में नहीं ले जाया जाए।

i. (a) 1944

Explanation: ऐन फ्रैंक को 1944 में गिरफ्तार किया गया था। उसके साथ उसके माता-पिता और उसकी बहन मार्गोट को भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

j. (d) ए० एस० एस०

Explanation: पाठ के अनुसार लेखिका के पिता को ए० एस० एस० से बुलावा आया था। इस बुलावे से परिवार के सभी लोग चिंतित थे।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

a. **महानगरों में आवास-समस्या**

मानव की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ हैं-रोटी, कपड़ा और आवास। जिन देशों में इन तीनों आवश्यकताओं की पूर्ति सहज तरीके से हो जाती है, वे देश संपन्न हैं। अतः आवास मानव की प्रमुख जरूरतों में से एक है। यह मनुष्य को स्थायित्व प्रदान करता है। आज के जीवन में चाहे वह नगर हो, ग्राम हो या कस्बा हो, आवास की समस्या गंभीर होती जा रही है।गाँवों में आवास की समस्या उतनी भीषण नहीं है, जितनी महानगरों में है।

महानगरों में रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, सत्ता आदि का केंद्रीयकरण हो गया है, अत: वहाँ चारों दिशाओं से लोग बसने के लिए आ रहे हैं। इस कारण वहाँ आवास की समस्या विकट होती जा रही है। इस समस्या का मुख्य कारण सरकार की अदूरदर्शिता है। सरकार ने देश के समग्र विकास की नीति नहीं बनाई। सरकार ने देश के चंद क्षेत्रों में बड़े उद्योग-धंधों को प्रोत्साहन दिया। इन उद्योग-धंधों के साथ बड़ी संख्या में सहायक इकाइयाँ लगीं। सरकार ने इन सहायक इकाइयों को अन्य क्षेत्रों में स्थापित करने में कोई सहयोग नहीं दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोगों का केंद्रण एक जगह ही हो गया। इस कारण बने महानगरों में आवास की समस्या उत्पन्न हो गई। दूसरे, सरकार ने ऐसे क्षेत्रों में आवास संबंधी कोई स्पष्ट नीति भी नहीं बनाई।इसके समाधान के लिए सभी जगहों पर रोजगार और अन्य दैनिक आवश्यकताओं की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि महानगरों में इन सब के लिए मारामारी ना हो।

b. **तनाव : आधुनिक जीवन-शैली की देन**

आज मनुष्य विकास के उच्चतम स्तर पर पहुँच चुका है, परंतु वह और अधिक की लालसा कर रहा है। इसकी वजह

से वह एक नई बीमारी की गिरफ्त में आ रहा है। वह है- तनाव। तनाव एक मानसिक प्रक्रिया है। यह हमारे दिमाग में हमेशा रहता है। घटनाएँ तनाव का कारण नहीं हैं, बल्कि मनुष्य इसे कैसे समझता या प्रभावित होता है, यह तनाव का कारण है। तनाव शक्तिशाली चीज है। यह या तो बहुत अच्छा हो सकता है, या नुकसान का कारण हो सकता है। यह बहती नदी के समान है। जब मनुष्य इस पर बाँध बनाता है। तो वह पानी की दिशा को अन्य स्थान की ओर अपनी इच्छा से बदल सकता है, परंतु जब नदी पर बाँध नहीं होता तो वह बहुत विनाश करती है। तनाव भी ऐसा ही है। आज समाज में तनाव से एक बहुत बड़ा तबका ग्रस्त है।

मनुष्य हमेशा किसी-न- किसी उधेड़बुन में रहता है। ऐसा नहीं है कि तनाव पुराने युग में नहीं होता था। तब भी तनाव होता था परंतु बहुत कम होता था। आधुनिक जीवन-शैली से निरर्थक तनाव उत्पन्न हो रहा है, जैसे-बिजली का चला जाना, बच्चे का सही ढंग से होमवर्क न करना, भीड़ के कारण हर समय ट्रेन या बस छूटने का भय, दफ़्तर, स्कूल आदि गंतव्य पर सही समय पर न पहुँचने का भय, मीडिया द्वारा प्रचारित भय। हमारे जीवन जैसे-जैसे संसाधन बढ़ रहे हैं या जिस प्रकार से हमारी जीवन-शैली बदल रही है, वैसे-वैसे हम और अधिक तनाव के चंगुल में फँसते जा रहे हैं। मनुष्य स्वयं को अमर या सर्वाधिक सुखी करना चाहता है, परंतु वह अपनी क्षमता व साधनों का ध्यान नहीं रखता। मनुष्य थोड़े समय में अधिक काम करना चाहता है। वह हमेशा जीतना चाहता है। अतः आज मानव नकारात्मक प्रवृत्ति से ग्रस्त है। उसे हर कार्य में नुकसान होने का भय रहता है। तनाव रहने से मनुष्य विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त हो जाता है। मनुष्य निराशाजनक जीवन जीने लगता है। वह चिड़चिड़ा, गुस्सैल प्रवृत्ति का हो जाता है। हमारे जीवन में तनाव होने की अधिकांश वजह हमारी नकरात्मकता है।

वस्तुत: तनाव हमारे जीवन के लाभ-हानि खाते में उधार की प्रविष्टि है। जब मनुष्य अपनी मुश्किलों को हल नहीं कर पाता तो वह तनावग्रस्त हो जाता है। ये मुश्किलें वास्तविक विचार के न होने के कारण हैं इसलिए मनुष्य को अधिक-से-अधिक अच्छे विचार सोचने चाहिए। मनुष्य को रचनात्मक ढंग से नए तरीके से व धैर्य से खुशी को ढूँढ़ना चाहिए। थोड़े समय में अधिक पाने की इच्छा त्याग देनी चाहिए।

मनुष्य को व्यापार के इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए-अच्छे को बेहतर का दुश्मन न बनाइए। मनुष्य को अपनी मनोवृत्ति सकारात्मक बनानी चाहिए। मनुष्य का मस्तिष्क बहुत बड़ी भूमि के समान है यहाँ वह खुशी या तनाव उगा सकता है। दुर्भाग्य से यह मनुष्य का स्वभाव है कि अगर वह खुशी के बीज बोने की कोशिश न करे तो तनाव पैदा होता है। खुशी फसल है और तनाव घासफूस है।

c. **आतंकवाद के बढ़ते चरण**

'मानवतावाद' और 'आतंकवाद' सर्वथा दो विरोधी अवधारणाएँ हैं। मानवतावाद के मूल में 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'विश्व-बंधुत्व' की भावना है। यह 'संपूर्ण विश्व एक परिवार है' का संदेश देता है। इसके मूल में सह-अस्तित्व की भावना है जबकि आतंकवाद अलगाववाद पर आधारित है। आतंकवाद में मानवीय संवेदनाओं का स्थान नहीं होता। पिछले कुछ दशकों से जिस समस्या ने विश्व को सबसे अधिक आक्रांत किया है, वह है-विश्वव्यापी आतंकवाद। आतंकवाद वह प्रवृत्ति है, जिसमें कुछ लोग अपनी आकांक्षा की पूर्ति के लिए हिंसात्मक और अमानवीय साधनों का प्रयोग करते हैं।इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी कार्य जो हिंसक और मानवता के विपक्ष में हो,वे सब आतंकवाद के श्रेणी में आते हैं।

सामान्यतः संसार के सभी देश इसके विरुद्ध संगठित हो रहे हैं। आतंकवाद मानव-जाति के लिए कलंक है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि इसका समूल नाश किया जाए। कोई भी देश इस प्रकार के आतंकवादी संगठनों को प्रश्रय न दे और न किसी प्रकार उनकी सहायता करे। आतंकवाद जैसी समस्या का समाधान बौद्धिक और सैनिक दोनों स्तरों पर किया जाना चाहिए। विश्व की सभी सरकारों को अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के विरुद्ध परस्पर सहयोग करना चाहिए ताकि कोई भी आतंकवादी गुट कहीं शरण या प्रशिक्षण न पा सके। आतंकवाद के समाप्त होने पर ही मानवता का स्वप्न पूरा हो सकेगा।कई बार आतंकवाद की शुरुआत हमारी गलती से ही होती है।इसके पूर्ण समाधान के लिए हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने की जरूरत है।

8. केंद्रीय विद्यालय, तिलक नगर
नई दिल्ली।
17 अप्रैल, 2019
प्रबंधक काष्ठागार, आमेर सरणि
जयपुर, राजस्थान।

विषय- विद्यालय के फर्नीचर की आपूर्ति हेतु।

महोदय,

मैं तिलक नगर के केंद्रीय विद्यालय का प्राचार्य हूँ। पिछले माह आपसे विद्यालय हेतु फर्नीचर की माँग की गई थी। फर्नीचर भेजते हुए आपने संविदा में उल्लिखित समझौते के अनुसार आपूर्ति नहीं की। आपके द्वारा समझौते के जिन बिंदुओं का उल्लंघन किया गया है, नीचे उनका उल्लेख किया जा रहा है।

i. फर्निचर की संख्या में कमी की गई है।
ii. फर्नीचर टूटी-फूटी अवस्था में हैं।
iii. माँग के अनुसार फर्नीचर की पूर्ति नहीं की गई है।

हम आपसे आशा करते हैं कि आप फर्नीचर में विद्यमान त्रुटियों पर ध्यान दें तथा शीघ्र-अतिशीघ्र उपरोक्त बिंदुओं के अनुसार तथा सही गिनती में फर्नीचर भेजें। अन्यथा आपके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

प्राचार्य
क. ख. ग.

OR

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक: 22 नवंबर 2019
संपादक महोदय
नवभारत टाइम्स

बहादुरशाह जफर मार्ग

विषय- नाबालिक बच्चे की सुरक्षा के संबंध में।

महोदय,

निवेदन यह है कि पिछले दिनों दिल्ली में कुछ बम धमाके हुए। इन बम धमाकों का चश्मदीद गवाह एक बालक पुलिस के सामने आया। जैसे ही मीडिया को इसका पता चला, उन्होंने उस बच्चे का इंटरव्यू लिया तथा उसे चैनलों, अखबारों व पत्रिकाओं में प्रकाशित किया। उसमें उस नाबालिक बच्चे का संपूर्ण विवरण भी दिया गया। मेरी आपत्ति मीडिया की भूमिका के बारे में है। सुरक्षा एजेंसियों का कार्य गवाहों को गुप्त रखना होता है, न कि अपनी पीठ थपथपाने के लिए उन्हें मीडिया के सामने प्रस्तुत करना। इसके अतिरिक्त मीडिया के भी नैतिक व राष्ट्रीय दायित्व होते हैं। उन्हें भी उस बच्चे की सुरक्षा करनी चाहिए थी। उन्हें उसके फोटो व विवरण न देकर घटना के बारे में जानकारी ही देनी चाहिए थी। उन्हें चैनल या समूह की ख्याति के लिए बच्चे को मोहरा नहीं बनाना चाहिए था। उन्हें अपनी इस प्रकृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। ये सब होने के बाद उस बच्चे के ऊपर जानलेवा हमले भी हो सकते हैं और बच्चे की जान भी जा सकती है।

अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उस नाबालिग बच्चे की सुरक्षा पर संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करें। इसके अलावा उसके सुरक्षा के यथोचित उपाय किया जाए।

धन्यवाद

भवदीय

गोविन्द शाह

9. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. **कहानी का नाट्य रूपांतर करते समय इन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिये-**

      i. कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये।
      ii. कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। इसलिये कहानी मे संवाद का समावेश करना जरूरी है।
      iii. कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है।
      iv. नाट्य मे हर एक पत्र का विकास, कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है इसलिये कहानी का नाट्य रूपांतर करते वक्त पात्र का विवरण करना बहुत जरूरी होता है।
      v. एक व्यक्ति कहानी लिख सकता है, पर जब नाट्य रूपांतर कि बात आती है, तो हर एक समूह या टीम कि जरूरत होती है।

   b. कविता भाषा में होती है इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान जरूरी है भाषा सब्दो से बनती है शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है भाषा प्रचलित एवं सहज हो पर संरचना ऐसी कि पाठक को नई लगे कविता में संकेतो का बड़ा महत्व होता है इसलिए चिह्नों (, !,।) यहाँ तक कि दो पंक्तियों के बीचका खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है वाक्य-गठन की जो विशिष्ट प्रणालियाँ होती हैं, उन्हें शैली कहा जाता है इसलिए विभिन्न काव्य-शैलियों का ज्ञान भी जरुरी है। शब्दों का चयन, उसका गठन और भावानुसार लयात्मक अनुशासन वे तत्व हैं जो जीवन के अनुशासन की

लिए जरुरी हैं।

c. देशकाल, स्थान और परिवेश के बाद कथानक के पत्रों पर विचार करना चाहिए। हर पात्र का अपना स्वरूप, स्वभाव और उद्देश्य होता है। कहानी में वह विकसित भी होता है या अपना स्वरूप भी बदलता है। कहानीकार के सामने पत्रों का स्वरूप जितकारण पत्नारों का अध्ययन कहानी की एक बहुत महत्त्वपूर्ण और बुनियादी शर्त है। इसके स्पष्ट होगा उतनी ही आसानी उसे पत्रों का चरित्र-चित्रण करने और उसके संवाद लिखने में होगी। इसके अंतगर्त पात्रो के अंत संबंध पर भी विचार किया जाना चाहिए। कौन-से पात्र की किस किस परिस्थिति में क्या प्रतिक्रिया होगी, यह भी कहानीकार को पता होना चाहिए।

d. आकार की लघुता, संवेदना की एकता, सत्य का आधार या कल्पना, रोचकता, मनोवैज्ञानिकता और सक्रियता, पत्रों की न्यूनता, स्म्क्लन्त्र्य (स्थान, काल और पात्र), जीवन की घटना अथवा स्थिति विशेष का मार्मिक चित्रण, य्थार्थ्यता, परिस्थिति की सरलता, उद्देश्य की स्पष्टता आदि कहानी की विशेषताएँ हैं। इन विशेषताओं के आधार पर कहानी के छह तत्व निर्धारित किए गए हैं - कथानक या कथावस्तु, पात्र तथा चरित्र- चित्रण, कथोपकथन, देश-काल-वातावरण, भाषा-शैली और उद्देश्य।

10. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

a. विशेष लेखन को सभी पाठक नहीं पढ़ते, प्रत्येक विषय का पाठक वर्ग अलग होता है जैसे समाचार पत्र में कारोबार औए व्यापार का पन्ना कम पाठक पढ़ते हैं लेकिन जो पाठक पढ़ते है उनकी संख्या सामान्य पाठकों से ज्यादा होती है और उनकी उम्मीद होती है कि उनको उनके विषय की ज्यादा से ज्यादा जानकारी मौजूदा समय के हिसाब से मिले।

b. किसी अखबार में प्रकाशित होने वाली सामग्री से अशुद्धियाँ और गलतियों को छाँटना ही संपादकीय टीम का मुख्य कार्य है । चूँकि मुद्रित माध्यमों में गलती होने की संभावना औरों से अधिक होती हैं, इसीलिए पत्रिका / अखबार में संपादकीय टीम होती है । उनका काम होता है सामग्रियों को प्रकाशित होने योग्य बनाना, ताकि पाठक की ओर से कोई शिकायत न हो ।

c. अंशकालिक पत्रकार किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय के आधार पर काम करते है। ये एक से अधिक पत्रों के लिए भी काम करते हैं क्योंकि ये पूर्णकालिक पत्रकार नहीं होते हैं ।

d. किसी घटना के संदर्भ में क्या, कहाँ, कब, कैसे, क्यों और कौन समाचार के छ: ककार हैं। सभी समाचार मूलतः इन्हीं प्रश्नों के उत्तर प्रस्तुत करते हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. **साक्षात्कार**

गिरीश (प्रश्नकर्ता)-सर्वप्रथम आपको बधाई, अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाने और इतना अद्भुत

कारनामा करने के लिए! आपकी उम्र क्या है?

बुधिया- पाँच साल।

गिरीश- आपकी यह विकलांगता कब से है?

बुधिया- जन्म से।

गिरीश- इस समय आप कहाँ पढ़ रहे हैं?

बुधिया- नवरसना एकेडमी, बेउर में।

गिरीश- विकलांग होने से आपको चलने में परेशानी होती है?

बुधिया- होती थी, परंतु अब आदत हो गई है।

गिरीश- आपको यह कारनामा करने की प्रेरणा किससे मिली ?

बुधिया- जी, उड़ीसा के बुधिया जी से जो 65 किलोमीटर दौड़ चुके हैं।

गिरीश- आपका सपना क्या है?

बुधिया- मैं कश्मीर से कन्याकुमारी तक की दूरी पैदल तय करना चाहता हूँ।

गिरीश- हमारी शुभकामनाएँ तुम्हारे साथ हैं।

बुधिया- बहुत-बहुत धन्यवाद! .

b. 'उषा' कविता में कवि शमशेर बहादुर सिंह ने ग्रामीण उपमानों का प्रयोग कर गाँव की सुबह को गतिशील शब्द चित्र के माध्यम से सामने लाने का प्रयास किया है। कविता में नीले रंग के प्रातःकालीन आकाश को 'राख से लीपा हुआ चौका' कहा है। ग्रामीण परिवेश में ही गृहिणी भोजन बनाने के बाद चौके (चूल्हे) को राख से लीपती है, जो प्रायः काफ़ी समय तक गीला ही रहता है।
दूसरा बिंब काली सिल का है। काली सिल अर्थात् पत्थर के काले टुकड़े पर केसर पीसने का काम भी गाँव की महिलाएँ ही करती हैं। तीसरा बिंब, काले स्लेट पर लाल खड़िया चाक मलने की क्रिया नन्हे ग्रामीण बालकों द्वारा होती है। इस बिंबात्मक चेतना में गतिशील शब्द चित्र भी मौजूद है। यहाँ सवेरे अपने-अपने कार्यों में लगे ग्रामीण वर्ग तथा जनजीवन की गतिशीलता को स्पष्ट करने वाले प्रतिमान हैं। यहाँ स्थिरता का नामोनिशान नहीं है। गतिशीलता इस अर्थ में भी है कि तीनों शब्द चित्र स्थिर न होकर किसी-न-किसी क्रिया के अभी-अभी समाप्त होने के सूचक हैं। अतः कह सकते हैं कि शमशेर की कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है।

c. कवितावली में वर्णित छंदों से यह ज्ञात होता है कि तुलसीदास को अपने युग में व्याप्त आर्थिक विषमताओं का भली-भाँति ज्ञान था। उन्होंने समकालीन समाज का सजीव एवं यथार्थपरक चित्रण किया है,जो आज भी सत्य प्रतीत होता है। उन्होंने लिखा है कि उनके समय में लोग बेरोजगारी एवं भूखमरी की समस्या से परेशान थे। मजदूर, किसान, नौकर, भिखारी आदि सभी दुखी थे। गरीबी के कारण लोग अपनी संतान तक को बेचने के लिए तैयार थे। सभी ओर विवशता का वातावरण था।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. प्रेरणा' का अर्थ है- आगे बढ़ने की भावना जगाना। इसका जीवन में बहुत महत्त्व है। मनुष्य को जीवन में आगे बढ़ने के

लिए बड़े बुज़ुर्ग, मित्र आदि के प्रेरणा स्रोत की आवश्यकता होती है।
एक बार परीक्षा में बहुत कम अंक मिलने पर जब मेरा पढ़ाई से मन उठ गया तब मेरे शिक्षक ने मुझे बहुत से उदाहरण दिए- असफ़लता सफ़लता की सीढ़ी है, कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती आदि। इस प्रकार मेरे निराश मन में आशा की ज्योति जगाई और पुन:नये जोश से पढ़ाई में जुट गया।

b. **खुद का परदा** खोलने से कवि का आशय स्वयं की बुराइयों या कमजोरियों को प्रकट करना है। कवि के अनुसार जो व्यक्ति उनकी बुराई करता है वह जाने-अनजाने संसार के सामने अपनी ही कमज़ोरी ही प्रकट करता है। दूसरों की निंदा करते-करते व्यक्ति कब अपने राज बता देता है उसे स्वयं पता नहीं चलता।

c. तुलसी ने कहा है कि पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति रूपी मेघ ही कर सकता है। मनुष्य का जन्म, कर्म, कर्म-फल सब ईश्वर के अधीन हैं। निष्ठा और पुरुषार्थ से मनुष्य के पेट की आग का शमन तभी हो सकता है, जब ईश्वर कृपा हो अर्थात फल प्राप्ति के लिए दोनों में संतुलन होना आवश्यक है। पेट की आग बुझाने के लिए की गई मेहनत के साथ-साथ ईश्वर कृपा का होना बेहद जरूरी है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था, हिन्दुओं के अनुसार लक्ष्मी धन की देवी है। प्राय:नाम व्यक्तित्व का परिचायक होता है किन्तु भक्तिन गरीब थी, उसका पूरा जीवन ससुराल वालों की सेवा करने और पति की मृत्यु के बाद संघर्ष करते हुए व्यतीत हुआ। इस प्रकार उसके नाम का वास्तविक अर्थ और उसके जीवन का यथार्थ दोनों परस्पर भिन्न थे। इसलिए निर्धन भक्तिन सबको अपना असली नाम लक्ष्मी बताकर उपहास का पात्र नहीं बनना चाहती थी इसलिए वह अपना असली नाम छुपाती थी।
उसे लक्ष्मी नाम उसके माता-पिता ने दिया होगा क्योंकि उन्हें लगा होगा कि बेटी लक्ष्मी का अवतार होती है इसलिए उसके आने से वे तो खुशहाल होंगें ही साथ ही वह जिसके घर जाएगी वे भी धन्य-धान्य से भरपूर हो जाएँगे।

b. काले मेघा पानी दे पाठ में लेखक ने लोक मान्यताओं के पीछे छिपे इस तर्क को उभारा है कि जब तक हम किसी को कुछ देंगे नहीं, तब तक उससे लेने के हकदार कैसे बन सकते हैं। जैसे- यदि हम इंद्र देवता को पानी नहीं देंगे तो वे हमें पानी क्यों देंगे। इंद्र सेना पर बाल्टी भरकर पानी फेंकना ऐसी ही लोकमान्यता का प्रमाण है।
हमारे जीवन के अनुभवों में से एक अंधविश्वास के पीछे छिपा तर्क यह है कि यदि काली बिल्ली रास्ता काट जाती है तो अंधविश्वासी लोग कहते हैं कि रुक जाओ, बाद में जाना, पर मेरा तर्क यह है कि इसमें कोई सत्यता नहीं है। यह समय को बरबाद करने के अलावा कुछ नहीं है।

c. जाति प्रथा किसी व्यक्ति के पेशे का दोषपूर्ण तरीके से पूर्व निर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे से बाँध देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय: आती रहती है, क्योंकि उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन आ जाता है जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि इन परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो वह भुखमरी का शिकार हो जायेगा।

यद्यपि भारतीय समाज पेशा बदलने की अनुमति नहीं देता भले ही वह अपने पैतृक पेशे की अपेक्षा अन्य पेशे में पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक मुख्य और प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

आज भारत की स्थिति बदल रही है। सरकारी कानून, सामाजिक सुधार व विश्व स्तर पर होने वाले परिवर्तनों के कारण जाति प्रथा के बंधन समाप्त तो नहीं हुए हैं परंतु कुछ लचीले बन गए हैं। आज लोग अपनी जाति से अलग पेशों को भी अपना रहे हैं। आज लोगों को अपनी योग्यता, रुचि एवं क्षमता के अनुसार साधन और अवसर दोनों उपलब्ध हैं।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. लेखक के अनुसार 'शॉपिंग मॉल' व्यक्ति को ज्यादा आकर्षित करता है। उनकी सजावट देखकर व्यक्ति उनसे बहुत प्रभावित हो जाता है। वह उनके आकर्षण के जाल में फँस जाता है। इसी कारण वह उन चीजों को भी खरीद लेता है जिसकी उसे कोई जरूरत नहीं होती। वास्तव में, शॉपिंग मॉल ऊँचे रेटों पर सामान बेचते हैं।

b. तत्कालीन राजा कुश्ती के शौकीन थे, परन्तु उनकी मृत्यु के बाद लुट्टन को परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि जब विलायत से शिक्षा पाए राजकुमार ने सत्ता सँभाली तो उन्होंने राजकाज से लेकर महल के तौर-तरीकों में भी परिवर्तन कर दिए। मनोरंजन के साधनों में कुश्ती का स्थान घुड़सवारी ने ले लिया। अतः पहलवानों पर अनावश्यक राजकीय खर्च का बहाना बनाकर उन्हें जवाब दे दिया गया। इस कारण लुट्टन को गाँव वापस लौटना पड़ा।

c. दोनों जगह के कस्टम अधिकारियों ने सफ़िया और उसकी नमक रूपी सद्भावना का सम्मान किया। उनमें से एक देहली को अपना वतन मानते हैं और दूसरे ढाका को अपना वतन कहते हैं। उन दोनों ने सफ़िया के प्रति पूरा सद्भाव दिखाया, कानून का उल्लंघन करके भी उसे नमक ले जाने दिया। अमृतसर वाले सुनील दास गुप्त तो उसका थैला उठाकर चले और उसके पुल पार करने तक वहीं पर खड़े रहे। उन अधिकारियों ने यह साबित कर दिया कि कोई भी कानून या सरहद प्रेम से ऊपर नहीं है।